पु॰ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class –III

HINDI

Specimen Copy

Term II

2022-23

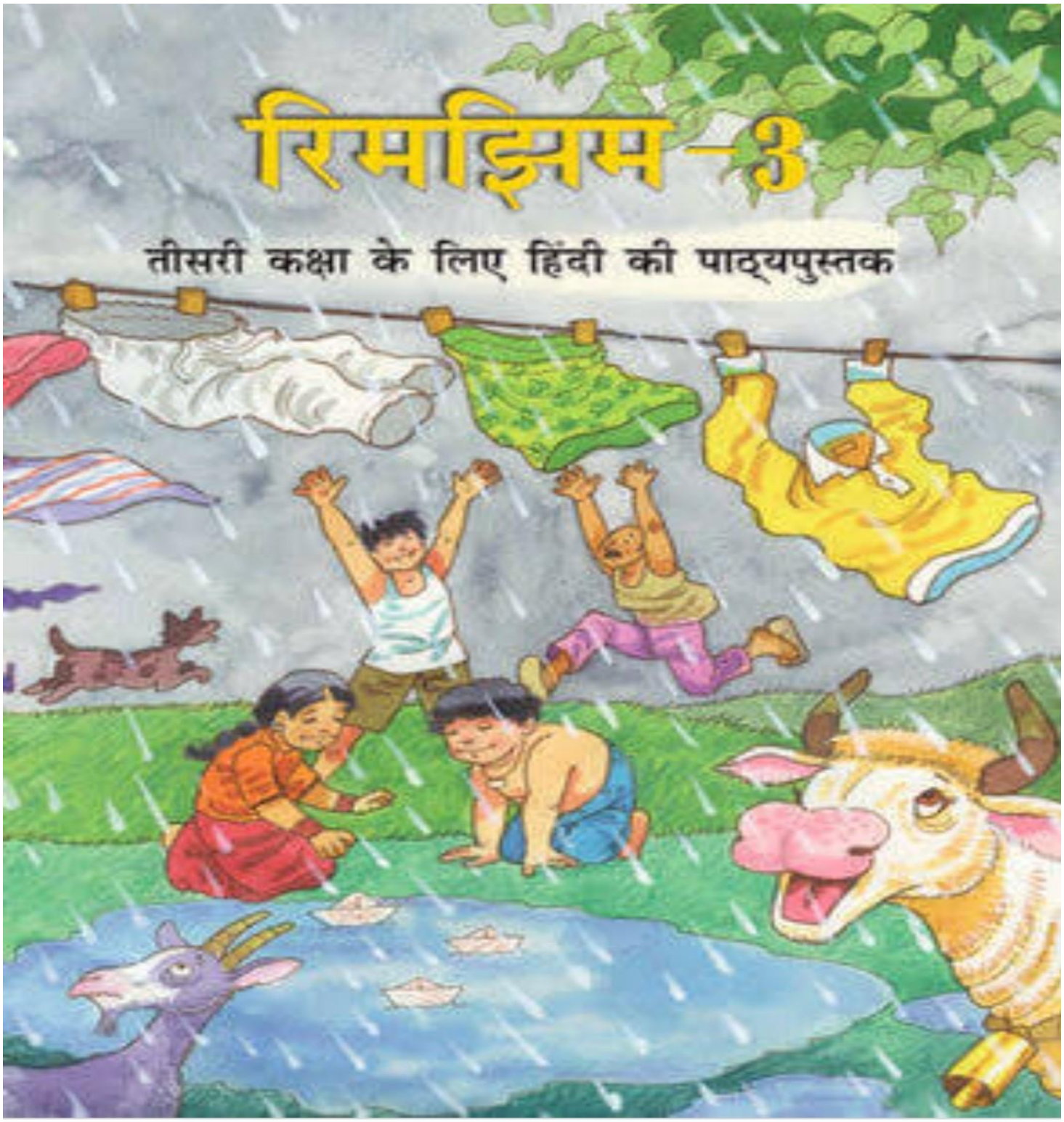
रिमझिम-3
तीसरी कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

पाठ-सूची

क्रम	माह	पाठ का नाम	लेखक का नाम	ऐक्टिविटी
01	अक्टूबर	पाठ – 8 - बंदर बांट निबंध - दीपावली	हरिवंशराय बच्चन	बंदर का मुखोट बनाओ।
02	नवंबर	पाठ – 9 – कब आऊं लेखन विभाग-अनौपचारिक पत्र पाठ - 10 - क्यों जीमल और कैसे कैसेलिया कहानी लेखन	आर. एस. त्रिपाठी सुबीर शुक्ला	इन्द्रधनुष बनाकर रंग भरो। आटा केसै गुथते है अपने शब्दों में लिखिए।
03	दिसम्बर	पाठ - 11 - मीरा बहन और बाघ संवाद लेखन पाठ - 12 - जब मुझको सांप ने काटा लेखन विभाग-अनौपचारिक पत्र	शंकर	जंगली जानवर के नाम लिखे।(१०) सांप का चित्र बनाओ।

04	जनवरी	पाठ – 13 - मिर्च का मजा निबंध - क्रिसमस पाठ - 14 सबसे अच्छा पेड़ अपठित गद्यांश	रामधारी सिंह दिनकर जे . भारतदास	अलग - अलग मिर्च के चित्र बनाओ और रंग भरो। अपना मनपसंद पेड़ का चित्र बनाए।

पाठः८
बंदर-बाँट
लेखक-हरिवंशराय बच्चन

पाठ का सारः बंदर बाँट कहानी का सारांश बन्दर बाँट नाटक में हरिवंश राय बच्चन जी ने दो बिल्लियों की आपस में लडाई व बंदर की रोटी खा जाने का वर्णन किया गया है। ... रोटी मेज पर रखी रहती है ,लेकिन सफ़ेद बिल्ली रोटी लेने से डरती है। इसीलिए काली बिल्ली लपककर रोटी ले लेती है। कहानी का शीर्षक बंदर बाँट रखा गया है क्योंकि बंदर दोनों बिल्लियों में रोटी बराबर बाँटने वाले की भूमिका निभाता है। बंदर अपनी चतुराई से रोटी भी खा जाता है और दोनों का भला भी बन जाता है। इस तरह कहानी का मुख्य पात्र वह बन जाता है।

दोनों बिल्लियों के झगड़े की जड़ रोटी का टुकड़ा था। दोनों उस पर अपना हक जता रहीं थीं। बंदर ने तराजू निकाला और समान बँटवारा करते हुए सारी रोटी स्वयं खा ली।अगले दिन दोनों बिल्लियों को एक तरबूज़ मिला। दोनों सोचने लगीं, इस तरबूज़ को कैसे बाँटा जाए कि तभी फिर से बंदर आ गया। आगे क्या हुआ होगा?

अगले दिन तरबूज़ लेकर बिल्लियाँ जा रही थीं तभी बंदर आ गया। वह बोला- "लाओ बँटवारा कर दूँ।" अब की बार बिल्लियाँ बंदर के झाँसे में नहीं आईं। वे तुरंत बोलीं- "तुम्हारा न्याय हम देख चुके हैं। तुम जा सकते हो हम अपने आप ही बाँटकर खा लेगीं।" यह कहकर वे चली गईं। बंदर अपना-सा मुँह लेकर रह गया।

१ :कठिन शब्द-

- मेजपोश
- बंदर
- बिल्ली
- रोटी
- आँखे
- आवाज
- फैसला
- हक
- धरम-काँटा
- तराज़ू
- हड़प

२ : शब्दार्थ-

- मेजपोशःमेज पर बिछाने का कपड़ा
- लपकनाःपकड़ना
- कचहरी-न्यायालय
- प्रवेश-आना
- गवाह-साक्षी
- पलड़ा-तराज़ू का एक भाग
- फैसला-हुक्म
- आँख-नेत्र, नयन
- महक-ख़ूशब
- राह-रास्ता
- भारी-वजनदार
- पछताना-अफसोस

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१:दोनो बिल्लीयाँ कैसी चीजे ढूँढ रही थी?

उत्तरः(क)खेलने की (ख)खाने की

(ग)बैठने की (घ)इनमे से कोई नही

२:बिल्लियो के झगडे का फैसला करने के लिए बंदर ने उन्हे कहाँ बुलाया?

उत्तरः(क)कचहरी मे (ख)घर मे

(ग)सडक पर (घ)पेड़ पर

३:सारी रोटी कौन खा गया?

उत्तरः(क)काली बिल्ली (ख)सफेद बिल्ली

(ग)बंदर (घ)चूहा

४:तराजू लेकर कौन भाग गया?

उत्तरः(क)बंदर (ख)काली बिल्ली

(ग)सफेद बिल्ली (घ)इनमे से कोई नही

५:दोनो बिल्लियो को आप क्या कहेगे?

उत्तरः(क)चतुर (ख)मूर्ख

(ग)सीधी-सादी (घ)समझदार

४ :अतिलघु- प्रश्न-

१:रोटी पर पहले किसकी नजर पडी?

उत्तरःरोटी पर पहले सफेद बिल्ली की नजर पडी।

२:काली बिल्ली ने किसे डरपोक साबित किया?

उत्तरःकाली बिल्ली ने सफेद बिल्ली को डरपोक साबित किया।

३:सफेद बिल्ली ने रोटी पर अपना हक किस प्रकार जताया?

उत्तरःसफेद बिल्ली ने कहा रोटी पहले मैने देखी इसलिए यह मेरी है।

४:काली बिल्ली ने रोटी पर अपना हक किस प्रकार जताया?

उत्तरः काली बिल्ली ने रोटी पर अपना हक जताते हुए कहा कि यह पहले मैने ली है इसलिए यह मेरी है।

५:रोटी के लिए कौन-कौन लड़ रहा था? उन्हे लडने से किसने रोका?

उत्तरः रोटी के लिए काली बिल्ली और सफेद बिल्ली लड रही थी। उन्हे लडने से बंदर ने रोका।

५:लघु प्रश्न-उत्तर-

१:बिल्लियो की बाते सुनकर बंदर ने क्या फैसला किया?

उत्तरः बिल्लियो की बाते सुनकर बंदर ने उन्हे कचहरी मे बुलाने का फैसला किया।

२:बंदर ने तराज़ू का प्रयोग कर बिल्लियो को किस प्रकार मूर्ख बनाया?

उत्तरः बंदर ने तराज़ू का प्रयोग कर बिल्लियो की सारी रोटी खा गया और दोनो बिल्लियाँ मुँह देखती रह गई।

३:आपस मे झगडने से बिल्लियो को क्या हानी हुई

उत्तरः आपस मे झगडने से बिल्लियो के हाथ मे आयी रोटी बंदर ले गया।

६ :दीर्घ प्रश्न उत्तर-

१:दोनो बिल्लियाँ कैसे मूर्ख बनी?
उत्तरःदोनो बिल्लियाँ रोटी के लिए झगड रही थी।तभी बंदर वहा आ गया और दोनो बिल्लियो का झगडा सुलझाने के बहाने सारी रोटी खा गया और तभी दोनो बिल्लियाँ मूर्ख बनी।

७. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

१:तराज़ू मेज पर रखा था।	(गलत)
२:सफेद बिल्ली को रोटीकी महक पहले आई।	(सही)
३:रोटी मेज पर रखी थी।	(सही)
४:बंदर ने ठीक फैसला किया।	(गलत)
५:दोनो बिल्लियाँ बंदर पर झपट पडी।	(गलत)
६: बंदर बची-खुची रोटी भी खा गया।	(सही)

८. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

१:दोनो बिल्लियाँ रोटी के लिए आपस मे झगड रही थी।
२:बंदर ने कहा मै तुम्हारा फैसला करुँगा।
३:बंदर ने दोनो बिल्लियाँ से रोटी छीन ली।
४:बंदर ने रोटी के टुकडे कर दिए।

व्याकरण विभाग - विशेषण

विशेषणः जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, उन्हे विशेषण कहते है।
विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, वे विशेष्य कहलाते है।

उदाहरणः

- नीता अच्छी लेखिका है।
  - विशेषण
  - विशेष्य
- प्रतिदिन ताजे फलों का सेवन करो।
  - विशेषण
  - विशेष्य

विशेषण के मुख्य चार भेद होते है।

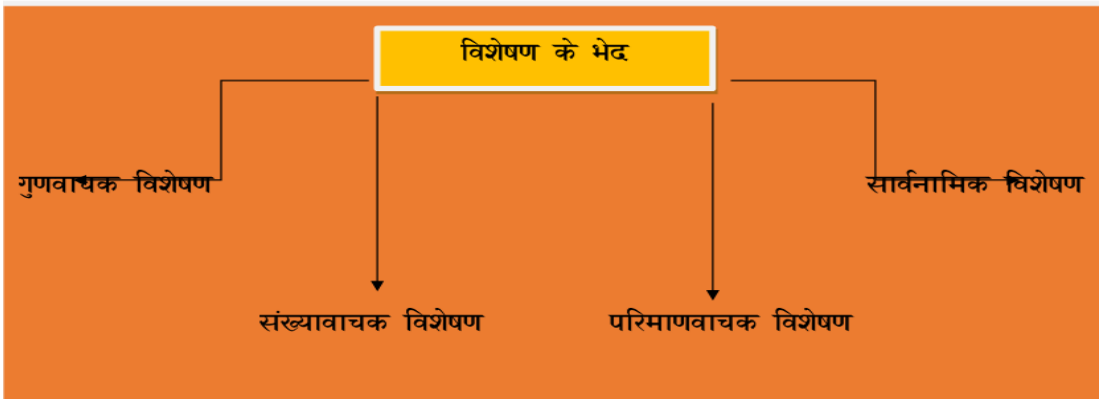

गुणवाचक विशेषण : वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्द के गुण-दोष, रूप-, स्वाद, दशा, अवस्था स्थान आदि का बोध कराते है, वह गुणवाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- गीता अच्छी लडकी है।
- यह खेत चौकोर है।
- बाहरी कमरा छोटा है।
- भरत बलशाली बालक था।

संख्यावाचक विशेषण : वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते है, वह संख्यावाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- तीन लडके खेल रहे है।
- मेले मे हजारो लोग आए थे।

परिमाणवाचक विशेषण : जिन विशेषण शब्दो से किसी वस्तु के माप-तौल संबंधी विशेषता का बोध होता है, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- वह प्रतिदिन एक लीटर दूध पीता है।
- अधिक परिश्रम करने से स्वास्थ्य बिगड़ जाता है।

सार्वनामिक विशेषण : जिन सर्वनाम शब्दो का प्रयोग संज्ञा के आगे उनके विशेषण के रूप मे होता है, उन्हे सार्वनामिक विशेषण कहते है।

उदाहरण :

- हमारा घर आंनद विहार मे है।
- यह घड़ी पुरानी है।
- यह खेत बहुत छोटा है।

९ : लेखन विभाग - दीपावली

दीपवाली हिन्दुओ का प्रमुख त्यौहार है।

1. दीपवाली त्यौहार हर वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या को मनाई जाती है।
2. इस दिन श्री राम अपना चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण करके अयोध्या वापस लौटे थे।
3. श्री राम जी के घर वापस लौटने की ख़ुशी हर्ष उल्लास मनाया गया यही परम्परा आज भी जारी है।
4. दीपवाली त्यौहार धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज त्यौहार का समूह माना जाता है।
5. दीपवाली वाले दिन शाम को सभी अपने अपने घरो में श्री गणेश, माता लक्ष्मी और माँ सरस्वती जी की पूजा करते है।
6. पूजा के बाद सभी अपने बड़ो का आशीर्वाद लेते है।
7. दीपावली पर लोग एक दूसरे को उपहार और मिठाइयों का भेंट देते है।

8. इस दिन बच्चे और बड़े सभी मिलकर खूब पटाखे जलाते है।
9. दीपावली पर्व निराशा पर आशा की विजय पर्व के रूप में मनाया जाता है।

- **प्रवृति**

बंदर का मुखोट बनाओ।

पाठः ९
कब आऊँ
लेखक :आर एस त्रिपाठी

पाठ का सारांश-

कब आऊं आर.एस.त्रिपाठी जी द्वारा लिखी गयी बुद्धि विनोद पर आधारित कहानी है। इस कहानी में लेखक ने अवंती नाम के एक रंगसाज का वर्णन किया है। उसका मुख्य काम कपड़े रंगने का था। उसके काम की प्रशंसा हर जगह होने लगी। यह सुनकर एक सेठ को बहुत जलन हुई। उसने अवंती को परेशान करने के लिए एक कपड़े का टुकड़ा लेकर उसकी दुकान में जा पहुँचा।

सेठ ने जाकर कहा कि अवंती इस कपड़े को रंग दो। मैं तुम्हारा हुनर देखना चाहता हूँ। अवंती ने सेठ से पूछा कि आप किस रंग से कपडा रंगवाना चाहते हैं। सेठ ने चालाकी से कहा कि मुझे हरा ,पीला ,सफ़ेद ,लाल ,नारंगी ,आसमानी ,काला और बैंगनी रंग से नहीं रंगवाना। अवंती ,सेठ का इरादा भाँप गया और कपड़े को आलमारी में बंद करके ताला मार दिया। सेठ ने पूछा कि कब आऊं ? तो अवंती ने जबाब दिया कि आप सोमवार ,मंगलवार ,बुधवार ,गुरुवार ,शुक्रवार ,शनिवार और रविवार छोड़कर किसी भी दिन आ सकते हैं। सेठ ने जान लिया कि उसकी चाल उल्टी पड़ गयी है। अतः वहाँ से चुपचाप खिसक लेने में ही सेठ ने अपनी भलाई समझी और फिर कभी अवंती के दुकान पर दिखाई नहीं पड़ा।

१ :कठिन शब्द-

- अवंति
- रंगाई
- प्रशसा
- सेठजी
- मंसूबा
- अलमारी
- चाल
- भलाई
- तारीफ
- टुकड़ा
- ईर्ष्या
- परेशान

२ : शब्दार्थ-

- रंगाई-रंग करना
- आसमानी-आसमान जैसा नीला
- भाँपना-समझ लेना
- खिसकना-हट जाना
- मंसूबा- इरादा
- तारीफ-प्रशंसा
- ईष्या-जलन
- अवश्य-जरुर
- कतई-बिल्कुल
- हुनर-काबलियत
- बुलंद-सशक्त
- जवाब-उत्तर

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१:अवंति ने किसकी दुकान खोली?

उत्तरः (क) रंगाई (ख)बुनाई

(ग) धुलाई (घ)मिठाई

२:अवंति की प्रशंसा सुनकर किसे ईर्ष्या होने लगी?

उत्तरः (क)गाँववालो को (ख)सेठ को

(ग) अवंति की पत्नी को (घ)इनमे से कोई नही

३:सेठ ने कितने रंगो के नाम गिनाए थे,जो उसे पसंद न थे?

उत्तरः (क)पाँच (ख)छः

(ग)नौ (घ)दस

४:अवंति ने सेठ के दिए हुए कपड़े को कहाँ रखा था?

उत्तरः (क) अलमारी मे (ख)तिजोरी मे

(ग) घड़ेमे (घ)संदूक मे

४ :अतिलघु- प्रश्न-

१:क्या गावँवाले अवंति के काम से प्रसन्न थे?

उत्तरःहाँ, गावँवाले अवंति के काम से प्रसन्न थे।

२:सेठ किसके हुनर को परखना चाहता था?

उत्तरःसेठ अवंति के हुनर को परखना चाहता था।

३:सेठ ने दुकान पर पहुँचकर अवंति से क्या कहा?

उत्तरः सेठ ने दुकान पर पहुँचकर अवंति से कहा की मुझे कपड़ा रंगवाना है।

४:सेठ कपड़े को किस रंग मे रंगवाना चाहता था?

उत्तरः सेठ कपड़े को हरा, पीला,सफेद,लाल,नांरगी,नीला,आसमानी ,काला और बैंगनी को छोडकर रंगवाना चाहता था।

५:लघु प्रश्न-उत्तर-

१:अवंति ने सेठ को दोबारा किस दिन आने को कहा?
उत्तरः अवंति ने सेठ को दोबारा सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छोडकर आने को कहा।
२:अवंति के मुख से कपडे लौटाने की बात सुनकर सेठ को क्या समझ आ गया था?
उत्तरः अवंति के मुख से कपडे लौटाने की बात सुनकर सेठ समझ गया कि उसकी चाल उल्टी पड़ गई है।अतः भलाई धीरे से खिसक लेने मे ही है।
३:सेठ और अवंति मे से कौन बुद्धिमान था?
उत्तरः सेठ और अवंति मे से अवंति बुद्धिमान था।
४:कब आऊँ कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तरः कब आऊँ कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमे कभी किसो से ईर्ष्या नही करनी चाहिए।

५. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

१:अवंति की प्रशंसा सुनकर सेठ बहुत प्रसन्न हुआ। (गलत)
२:अवंति को परेशान करने के लिए सेठ उसकी दुकान पर गया था। (सही)
३:सेठ ने लाल रंग मे कपड़ा रंगने के लिए कहा था। (गलत)

६. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

१:अवंति गाँववासियो के लिए कपड़ा रंगता था।
२:धीरे-धीरे अवंति की दुकान चल पडी।
३:सेठ अवंति के घर के दरवाजे के अंदर घुसते ही बोलने लगा था।
४:अवंति ने सेठ का मंसूबा भाँप लिया था।

<u>व्याकरण विभाग</u> - क्रिया

जिन शब्दों से किसी कार्य के करने का या होने का पता चले , उन्हे क्रिया कहते है |

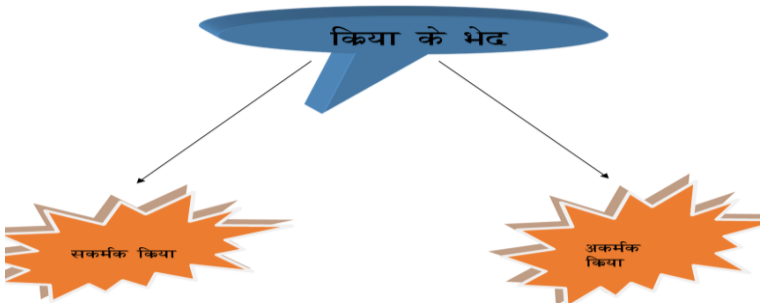

सकर्मक क्रिया : स +कर्म के साथ ।जिन क्रियाओँ के साथ कर्म लगा हो और क्रिंया का फल कर्ता पर न पडकर कर्म पर पड़े, उन्हे सकर्मक क्रिया कहते है।

उदाहरण :

- अध्यापिका पाठ पढ़ाएगी।
- माली ने पौधौ को सीचा।
- राजा फल खाता है।
- राम पुस्तक पढ़ता है।
- गाय घास खाती है।

अकर्मक क्रिया : अ +कर्म अर्थात कर्म रहित अथवा कर्म के बिना । जिन क्रियाओ के साथ कर्म न लगा हो तथा क्रिया का फल कर्ता पर ही पडे, उन्हे अकर्मक क्रिया कहते है।

उदाहरण :

- आकाश मे पक्षी उड़ रहे है।
- विनय जोर से चिल्ला रहा है।
- गीता दौडती है।
- नदी बहती है।
- मोर नाचता है।

७: लेखन विभाग : अनौपचारिक पत्र:

मित्र को अपने जन्मदिन पर आमंत्रित करने हेतु पत्र।

७२, कंकड़बाग,
वीरप्रताप सोसायटी,
पटना।
२७, अप्रैल, २०२१
प्रिय राघव,
तुम्हे याद होगा कि ९ मई को मेरा जन्मदिन है।हर वर्ष की तरह इस बार भी मेरे माता-पिता जन्मदिन के अवसर पर पार्टी का अयोजन कर रहे है।मेरी हार्दिक इच्छा है कि तुम इस पार्टी मे शामिल होकर मुझे प्रसन्नता प्रदान करो।

इस बार केक काटने के साथ- साथ संध्या संगीत का भी आयोजन रखा गया है।पार्टी शाम को ६ बजे से शुरू होगी तो तुम्हे अपने परिवार के साथ आना है।मै तुम्हारा इतजार करूँगा।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना और छोटी बहन को प्यार देना।

तुम्हारा मित्र
रमेश

- **प्रवृति**

इन्द्रधनुष बनाकर रंग भरो।

पाठः१०

क्योंजीमल और कैसे- कैसलिया

लेखकः सुबीर शुक्ला

पाठ का सारांश-

क्योंजीमल और कैसे - कैसलिया कहानी में लेखक सुबीर शुक्ला जी ने मजेदार ढंग से दो दोस्तों के माध्यम से आटा सानकररोटी बनाने की विधि बताई है। दो दोस्त हैं - क्योंजीमल और कैसलिया। क्योंजीमल हमेशा क्यों क्यों करते रहते हैं और कैसलिया हमेशा कैसे कैसे करते रहते हैं। इनके सवालों से लोग परेशान होकर ,हमेशा इनसे दूर ही रहते हैं। कभी कभी इन दोस्तों की मुलाकात भी हो जाती है ,तो ये अपने सवालों से लोगों को परेशान करते रहते।

एक बार इन दोस्तों की मुलाकात गुरूजी से हो गयी ,जो सायकिल से गेहूं पिसाने जा रहे थे। उन्हें रास्ते में क्योंजीमल और कैसलिया मिल गए और सवाल पर सवाल करने लगे। गुरु जी से पूछा कहाँ जा रहे हो। गुरु जी ने बताया कि आटा पिसाने। आपको सायकिल कहाँ से मिली ,तो उन्होंने बताया कि शिवदास ने अपनी गाडी दे दी। आप आटा पिसवाने क्यों जा रहे हो। रोटी बनाने के लिए। रोटी कैसे बनेगी। आटे को सानेंगे ,बेलेंगे ,तवे पर पकाएंगे। आग पर फुलायेंगे। सानेंगे लेकिन क्यों। आटे में थोड़ा पानी रहता है। आग पर तपने से यही पानी भापबनकर बेली हुई रोटी को पकाता है ,इसीलिए इसे सानते हैं। कैसे सानते हैं रोटी। परात पर आटा निकालेंगे ,छुटकी भर नामक डालेंगे ,फिर धीरे -धीरे एक हाथ से पानी डालते हुए सानना शुरू करेंगे। पहले -पहले सारा आटा बिखरेगा ,फिर उसे समेटेंगे और अच्छे से सान लेंगे। परात पर क्यों सानेंगे। गुरुजी ने कहा कि तुम लोगों की क्यों - कैसे में मेरी चक्की बंद हो जायेगी। बंद हो जायेगी ,लेकिन कैसे। जब तक क्योंजीमल और कैसलिया को इसका जबाब जब तक मिलता ,तब तक गुरूजी अपनी सायकिल पर चढ़कर जा चुके थे।

१ :कठिन शब्द-

- दोस्त
- चक्की
- मुलाकात
- परात
- मौका
- साइकिल
- पैदल
- गाडी
- शिवदास
- पिसवाना
- आटा
- भाप

२ : शब्दार्थ-

- जवाब : उत्तर
- पानी : जल
- मौका : अवसर
- हाथ : हस्त
- मुलाकात : भेंट
- आग : अग्नि
- नमस्ते : प्रणाम

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१:क्योजीमल और कैसे-कैसलिया कौन थे?

उत्तरः (क)दोस्त (ख)दुश्मन

(ग)पडोसी (घ)इनमे से कोई नही

२:गुरुजी बाजार क्यो जा रहे थे?

उत्तरः(क) आटा पिसवाने (ख) गेहुँ पिसवाने

(ग) चावल पिसवाने (घ) दाल पिसवाने

३:गुरुजी बाजार कैसे जा हे थे?

उत्तरः (क) साइकिल से (ख) स्कूटर से

(ग) पैदल (घ) मोटर साइकिल से

४:बाजार कौन जा रहा था?

उत्तरः(क) क्योंजीमल (ख)कैसे-कैसलिया

(ग)दोनो दोस्त (घ)गुरूजी

४ :अतिलघु- प्रश्न-

१:क्योजीमल को बात-बात पर क्या पूछने की आदत थी?

उत्तरः क्योजीमल को बात-बात पर क्यों-क्यों पूछने की आदत थी।

२:कैसे- कैसे -कैसे पूछने के लिए कौन बेचेन रहता था?५

उत्तरः कैसे- कैसे -कैसे पूछने के लिए कैसे-कैसलिया बेचेन रहता था।

३: क्योजीमल और कैसे-कैसलिया की भेंट किससे हुई थी?

उत्तरः क्योजीमल और कैसे-कैसलिया की भेंट गुरूजी से हुई थो।

४:शिवदास ने गुरुजी की किस प्रकार से मदद की?

उत्तरः शिवदास ने गुरुजी को अपनो गाडी देकर मदद की।

५:रोटी बनाने के लिए क्या-क्या करना पडता है? पाठ के आधार पर लिखिए?

उत्तरःपरात मे आटा निकालेगे,फिर उसमे चुटकी भर नमक डालेगे,फिर धीरे-धीरे एक हाथ से पानी डालते हुए सानना शुरू करेग।पहले सारा आटा बिखरेगां,फिर उसे समेटेगे,और अच्छे से सान लेग।

५:लघु प्रश्न-उत्तर-

१:आटा कौन से बर्तन मे निकाला जाता है?

उत्तरःआटा परात मे निकाला जाता है।

२:आटे मे किस प्रकार पानी डाला जाएगा?

उत्तरःआटे मे एक हाथ से धीरे धीरे पानी डाला जाएगा।

३:गुरुजी बाजार क्यो जार हे थे?

उत्तरः :गुरुजी बाजार गेहुँ पिसवाने जा हे थे।

६. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

१:क्योजीमल ने गुरुजी को नमस्ते नही की थी।
(गलत)

२:शिवदास ने गुरुजी की थैली देख ली थी।
(सही)

३:गुरुजी घर से पैदल निकले थे।
(सही)

४:सने हुए आटे मे थोडा भी पानी नही रहता।
(गलत)

५:गुरुजी क्यो और कैसे के चक्कर म पडे रहते तो चक्की बंद हो जाती।
(सही)

७. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

१:कैसे-कैसेलिया भी क्योजीमल से कोई कम न थे।

२:वास्तव मे साइकिल शिवदास की थी।

३:गेहुँ पिसवाने से आटा प्राप्त होता है।

४:गेहुँ चक्की मे पीसा जाता है।

५:रोटी तवे पर पकाई जाती है।

<u>व्याकरण विभाग</u> - अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जो पढ़ा -लिखा न हो	अनपढ़
जो अक्षर (पढ़ना- लिखना) जानता है	साक्षर/शिक्षित
देखने (दर्शन) वाले लोग	दर्शक
पढ़ने वाला व्यक्ति	पाठक
सुनने वाला व्यक्ति	श्रोता
तीन पहिए वाला वाहन	तिपहिया
दो पहिए वाला वाहन	दुपहिया
साथ पढ़ने वाला	सहपाठी

मास में एक बार आने वाला	मासिक
सप्ताह में एक बार होने वाला	साप्ताहिक
वर्ष में एक बार होने वाला	वार्षिक
जिसके मन मे दया हो	दयालु
फल-फूल खाने वाला	शाकाहारी
जो चित्र बनाता हो	चित्रकार
विद्या की चाह रखने वाला	विद्यार्थी
जो दिखाई न दे	अदृश्य
मांस खाने वाला	मांसाहारी

८ : लेखन विभाग : कहानी लेखन

राजू और उसकी पेंसिल

एक बार की बात है, एक गांव में राजू अपनी दादी के साथ रहता था। राजू 2 दिन से बहुत परेशान था क्योंकि वह English परीक्षा मैं बहुत खराब प्रदर्शन किया था। राजू दुखी होकर अपने कमरे में बैठा था।

उसकी दादी को सब कुछ पता था इसीलिए दादी राजू के पास आया और उसे एक पेंसिल दी। राजू दादी के तरफ देखा और कहा, “मैं परीक्षा में बहुत ही खराब प्रदर्शन किया है, मैं तो इस पेंसिल की लायक नहीं हूं।”

दादी उसे समझाया, “तुम इस पेंसिल से बहुत कुछ सीख सकते हो यह पेंसिल तुम्हारे जैसा है।

यह पेंसिल दर्द का अनुभव करता है। जैसे तुम परीक्षा मैं खराब प्रदर्शन करने के कारण दर्द का अनुभव किया है। यह पेंसिल तुम्हें और भी बेहतर छात्र बनाने में सहायता करेगी।

इस पेंसिल से लिखने की टाइम तुम्हें याद आएगी कि तुमने पहले परीक्षा मे खराब प्रदर्शन किया था। परीक्षा देते वक्त तुम्हें बहुत साहस मिलेगा। अगले परीक्षा मैं तुम जरूर अच्छा प्रदर्शन करोगे |

नैतिक शिक्षा : हम सभी में वह शक्ति है जो हम बनना चाहते हैं।

- **प्रवृति**

आटा केसै गुथते है अपने शब्दों में लिखिए।

पाठः११
मीराबहन और बाघ

पाठ का सारांश-

मीरा बहन और बाघ

मीरा बहन और बाघ पाठ में मीरा बहन की अहिंसा के बारे में बताया गया है। मीरा बहन का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। गाँधी जी के विचारों के कारण वे अपना परिवार को छोड़ छाड़ कर गाँधी जी के साथ काम करने लगी। आजादी के बाद वे उत्तर प्रदेश के एक पहाड़ी गाँव गेवली में गोपाल आश्रम की स्थापना करके रहने लगी। वे अपना सारा समय पालतू जानवरों की सेवा में बिताने लगी। गेवली गाँव के आसपास के जंगलो में बाघ का खतरा था। वह किसानों के पालतू जानवरों का भी शिकार करने लगा। उसने एक गाय को भी मार डाला।

गाँव के लोग गोपाल आश्रम में गए और उन्होंने अपनी समस्या मीरा बहन को बताई। गाँव के लोगों ने तय किया कि बाघ को कैद किया जाए। कैद करने के लिए एक पिंजरा बनाया गया और उसके अन्दर एक बकरी रखी गयी। जैसे ही बाघ अन्दर घुसता ,वह दरवाजा बंद हो जाता। पिंजरे को ऐसी जगह रखा गया ,जहाँ बाघ अक्सर आता - जाता रहता है। रात बीतने के बाद लोग सुबह जब पहुंचे तो देखा कि पिंजरे का दरवाजा बंद है ,लेकिन अन्दर बाघ नहीं था। लोग बहुत हैरान हो गए थे कि बिना बाघ के अंदर आये बिना पिंजरा बंद कैसा हो गया। गाँव वाले मीरा बहन के पास गए और अपनी समस्या बताई तो बहन ने कहा कि मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं सोचती रही कि बाघ को धोखा देकर हम बाघ को क्यों फसायें ,इसीलिए मैं स्वयं पिंजरे का दरवाजा बंद कर आई।

१ :कठिन शब्द-

- मीरा बहन
- भारत
- आश्रम
- शिकार
- बाघ
- सुबह
- पिजड़ा
- दरवाज़ा
- बकरी
- चिंता

२ : शब्दार्थ-

काम : कार्य
जानवर : पशु
आश्रम : रहने की जगह
आदमी : इंसान
रात : निशा
चक्ति : आश्चर्य
खुश : प्रसन्न

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१: मीरा बहन का जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तरः (क) इग्लैड मे (ख) फ्राँस मे

(ग)अमेरिका मे (घ) भारत मे

२:मीरा बहन घर-बार छोडकर कहाँ आ गई थी?

उत्तरः (क) जर्मनी (ख) भारत

(ग) फ्रांस (घ) इंग्लैड

३:उत्तर प्रदेश के पहाडी गाँवो मे अक्सर किसका डर बना रहता है?

उत्तरः (क) चीते का (ख)शेर का

(ग) बाघ का (घ)हाथी का

४:गाँव के लोगो ने अपनी चिंता किसे बताई?

उत्तरः (क) सरपंच को (ख)मीरा बहन को

(ग) गाँधीजी को (घ) किसी को नही

४ :अतिलघु- प्रश्न-

१:मीरा बहन पर किसके विचारो का असर पडा?

उत्तरः मीरा बहन पर गाँधीजी के विचारो का असर पडा।

२:मीरा बहन ने अपने आश्रम की स्थापना कहाँ की थी?

उत्तरः मीरा बहन पर किसके विचारो का असर पडा ।

३:बाघ कभी-कभी गेंवली गाँव तक क्यों चला जाता था?

उत्तरः बाघ कभी-कभी गेंवली गाँव तक पशूओ और आदमी का शिकार करने चला जाता था।

४: गेंवली गाँव मे एक बार क्या घटना घटी?

उत्तरः गेंवली गाँव मे एक बार घुसकर गाय को मार डाला।

५:लघु प्रश्न–उत्तर–

१:बाघ के आंतक से छुटकारा पाने के लिए क्या निश्चय किया गया?

उत्तरः बाघ के आंतक से छुटकारा पाने के सब ने मिलकर बाघ को पकडने की योजना बनाई।

२:बाघ को पकडने के लिए कौन सी योजना बनाई गई?

उत्तरःबाघ को पकडने के लिए एक पिजडा बनाया गया और उसमे एक बकरी को रखा गया।

३:पिजडे को कैसी जगह पर रखा गया था?

उत्तरः पिजडे को ऐसी जगह पर रखा जहाँ से बाघ अक्सर दिखाई देता है।

४:दूर से पिजडे का दरवाजा बंद देखकर गाँववाले क्यो खुश हूए?

उत्तरः दूर से पिजडे का दरवाजा बंद देखकर गाँववाले खुश हुए कि बाघ पकड मे आ गया।

६ :दीर्घ प्रश्न उत्तर–

१:मीरा बहन पर किसके विचारो का प्रभाव पडा? और मीरा बहन ने क्या किया?

उत्तरःमीरा बहन पर गाँधीजी के विचारो का प्रभाव पडा कि वे अपना घर और अपने माता–पिता को छोडकर भारत आ गई और गाँधीजी के साथ काम करने लगी।

२:पहाडी गाँवो मे अक्सर किसका डर बना रहता था?

उत्तरः :पहाडी गाँवो मे अक्सर बाघ का डर बना रहता था।जंगल कटने के कारण शिकार की तलाश मे बाघ कभी–कभी गाँव तक पहुँच जाता है।इसलिए गाँव के सभी लोग डरते थे।

७. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

१:गेंवली गाँव के आसपास के जंगलो मे बाघ जैसे खतरनाक जानवर रहते थे।
(सही)

२:मीरा बहन के आश्रम का नाम गोपाल आश्रम था।
(सही)

३:पिजडे मे दो दरवाजे बनाए गए थे।
(गलत)

४: लोगो ने देखा बाघ पिजडे मे बंद है।
(गलत)

८. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

१:मीरा बहन **गाँधीजी** के साथ काम करने लगी।

२:मीरा बहन का बहुत सारा समय पालतू **पशुओ** की देखभाल मे बीतता था।

३:बाघ ने गेंवली गाँव मे घुसकर एक **गाय** को मार डाला।

४:अपनी चिंता बताने के लिए गाँव के लोग **गोपाल आश्रम** गए।

५:सुबह की रोशनी होते ही लोग **पिजडा** देखने निकल पडे।

<u>व्याकरण विभाग</u> - विलोम शब्द

एक दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम कहलाते है|

विस्तार मे - जो शब्द किसी दूसरे शब्द का उल्टा अर्थ बताते है, उन्हे विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते है | जैसे आय - व्यय , आजादी - गुलाम

- रात - दिन,
- सुख - दुख,
- अपना-पराया,
- राग-द्वेष,
- बन्धन-मुक्ति
- , धनी-निर्धन,
- खण्ड - अखण्ड,
- सज्जन- दुर्जन
- , रोना-हँसना,
- संतोष – असंतोष
- , सहयोग - असहयोग,
- आचार - अनाचार,
- योगी-भोगी,
- स्वस्थ - रोगी,
- योग्य - अयोग्य,
- स्वीकारना - अस्वीकारना/नकारना
- वृद्ध - बाल/वृद्धा,
- बचपन - बुढापा,

९ : लेखन विभाग - संवाद लेखन

<u>दो मित्रों के बीच संवाद लेखन</u>

राम - आज कल श्याम सर्दी बहुत हो गई है।

श्याम - हां! राम सर्दी तो बढ़ती ही जा रही है।

राम - आज का तापमान 5 डिग्री है।

श्याम - अरे बाप रे इतना ज्यादा मुझे तो यकीन नहीं हो रहा।

राम - इस बार सर्दी बहुत हो गई है।

श्याम - हम क्या कर सकते है।

राम - हम थोड़ा कम फैला सकते हैं हमें प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करना चाहिए।

श्याम - हां! मैं भी आज से कम प्लास्टिक का इस्तेमाल करूंगा।

राम - हमें कूड़ा फैलाना कम करना चाहिए।

श्याम - हां! जरूर।

राम - इससे ग्लोबल वॉर्मिंग हो सकता है।

श्याम - इससे हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है।

राम - हां! हमें इसे रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना चाहिए।

श्याम - हां! सही बात है।

- **प्रवृति**

जंगली जानवर के नाम लिखे।(१०)

पाठः१२
जब मुझको साँप ने काटा
लेखकः शंकर

पाठ का सारांश-

जब मुझको साँप ने काटा कहानी में लेखक ने अपने बचपन के दिनों को याद किया है। वे लिखते हैं कि बचपन में एक दिन उन्होंने अहाते में एक छोटा सा साँप रेंगते हुए देखा। वह भागा और नारियल की खोल में छिप गया ,तो लेखक ने पत्थर का एक टुकड़ा उठा कर नारियल का खोल बंद कर दिया और उसे लेकर अपनी नानी के पास गया। नानी को बताया कि उसने सांप को पकड़ा है ,तो नानी चीखने - पुकारने लगी। यह सुनकर नाना अन्दर दौड़े आये। उन्होंने लेखक के हाथ से नारियल छीन कर फेंक दिया और नन्हा सांप रेंगता हुआ झाडी में गायब हो गया। नाना ने कहा कि अब सांप के पास कभी मत जाना। सांप खतरनाक होता है।

जब मुझे साँप ने काटा

उसी दिन लेखक एक बर्र को पकड़ने की कोशिश कर रहा था और उसने काट खाया। लेखक दर्द से कराहने लगा। नानी ने सोचा कि उसे साँप ने काटा है और जल्दी से नाना ने देखा कि जहाँ बर्र ने काटा है ,वहां नीला निशान पड़ गया है। नाना ने तुरंत लेखक को गोद में उठाया और चल पड़े। बाग़ और धान के खेतों को पार करते हुए ,वह दूर एक झोपड़ी के सामने रुके। झोपडी के अन्दर से एक बूढा आदमी निकला। वह सांप के काटने का मन्त्र जानता था। नाना ने बताया कि बच्चे को सांप ने काट लिया है ,इसीलिए झाड फूँक कर दो। बूढा झोपड़ी में ले गया और पीतल के बर्तन में पानी लाया और मंत्र पढने लगा। बूढ़े ने लेखक को चुप रहने की हिदायत दी थी। नाना कसकर पकड़े हुए थे। मंत्र पढ़े जा रहे थे। लेखक चाह रहा था कि वह बूढ़े आदमी को बता दे कि सांप ने नहीं ,बल्कि बर्र ने काटा है ,लेकिन बोलने की हिम्मत नहीं हुई। कुछ समय उँगली का दर्द दूर हो गया। बूढा आदमी बर्तन के पानी से उँगली धोयी और लेखक को पानी पीने को दिया। बूढा नाना से बोला कि बच्चा अब खतरे से बाहर है। इसे बहुत जहरीले सांप ने काटा है। सभी लोगों ने बूढ़े को उसके अद्भूत इलाज के लिए धन्यवाद दिया। नाना ने बूढ़े के लिए बहुत सी चीज़ें भेट में भेजी।

१ :कठिन शब्द-

- रेंगता
- नारियल
- पत्थर
- चीख-पुकार
- खबरदार
- खतरनाक
- कोशिश
- उंगली
- मंत्र
- झाड़-फूंक
- धन्यवाद

२ : शब्दार्थ-

- रेंगना : जमीन पर सरकना
- खोल : खाली छीलका
- चीखना : पुकारना-जोर से रोना
- खतरनाक : भयानक ,डरावना
- कोशिश : प्रयास
- ढोंग : नाटक
- झाड : फूंक-बाबा लोग जो मंत्र पढ़कर सर पर फूंकना

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१:बच्चे ने अपने अहातेमे क्या रेगते देखा?
उत्तरः(क) छोटा सा साँप (ख)चूहा
(ग) गिलहरी (घ)बिच्छू

२:नारियल के खोल के अंदर क्या देखा?
उत्तरः (क) मिठाई (ख)पानी
(ग) कुछ नही (घ)साँप

३:बच्चा नारियल का खोल लेकर किसके पास गया?
उत्तरः (क) नाना के (ख)दादी से
(ग)नानी के (घ)माँ के

४:बच्चे को किसके काट खाया था?
उत्तरः (क)बर्र (ख)साँप ने
(ग)बिच्छू ने (घ)कुत्ते ने

४ :अतिलघु- प्रश्न-

प्र-१-बच्चे को देखते ही सांप कहाँ छुप गया?
उ-१-बच्चे को देखते ही सांप नारियल के खोल में छुप गया।
प्र-२-नानी जोर-जोर से क्यों चीख-पुकार रही थी?
उ-२-नानी समझी, बच्चे को सांप ने काट लिया है इस लिए चीख-पुकार रही थी।

प्र-३-बच्चे को किसने काटा था?
उ-३-बच्चे को बर्र ने काटा था।
प्र-४-नाना बच्चे को लेकर कहाँ गए?
उ-४-नानाजी बच्चे को लेकर झांड=फूंक करने वाले बाबा के पास गए।
प्र-५-बूढ़े आदमी ने बच्चे को क्या पिलाया?
उ-५-बूढ़े आदमी ने मंत्र -फूंक वाला पानी पिला दिया ?
प्र-६-क्या सचमुच बूढ़े आदमी ने कोई इलाज किया था ?
उ-६-नही, बूढ़े आदमी ने इलाज करने का नाटक किया था।

५:लघु प्रश्न–उत्तर–

प्र-१-यह कहानी किसकी है ?

उ-१-यह कहानी लेखक की है ।

प्र-२-बच्चे ने सांप को कहाँ देखा और उसने सांप को किस में डाल दिया ?

उ-२-बच्चे ने सांप को अपने घर के अहाते में देखा, जब सांप नारियल के खोल में घुस गया तो बच्चे ने खोल को ऊपर से बंद कर दिया ।

प्र-३-नानाजी ने बच्चे को खबरदार करते हुए क्या कहा ?

उ-३-नानाजी ने बच्चे को खबरदार करते हुए कहा कि कभी भी सांप के पास नही जाना यह बहुत खतरनाक होते है।

प्र-४-नानाजी ने बूढे आदमी से क्या कहा ?

उ-४-नानाजी ने बूढे आदमी से कहा कि बच्चे को सांप ने काट लिया है आप कोई झाड-फूंक कर दो।

प्र-५-बचचा बार-बार बढे आदमी और अपने नाना को क्या बताना चाहता था ? क्या वह बता पाया ?

उ-५-बच्चा बार-बार अपने नाना और बूढे आदमी को बताना चाहता था कि उसे सांप ने नही बल्कि एक बर् काटा है, परन्तु हर बार उसको चुप कर के बैठा दिया जाता ।

६. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

१:बच्चे ने पत्थर से नारियल के खोल का मुँह बंद कर दिया। (सही)
२:बच्चे ने साँप पकडने की बात नानी को बताई। (सही)
३:नारियल के खोल मे से निकलकर नन्हा साँप घर के अंदर घुस गया। (गलत)
४:नाना ने बूढ़े आदमी को बहुत –सी चीज़े भेटं की। (सही)

७. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

१:साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था।
२:नाना ने नारियल के खोल को दूर फेंक दिया।
३:नानाजी अपने घर से दूर एक छोटी-सी झोपडी के सामने जाकर रूके।
४:बूढ़ा आदमी साँप के काटने का मंत्र जानता था।
५:झाड-फूँक करने वाले ने कहा –अब बच्चा खतर से बाहर है।
६:सब लोगो ने बूढे को उसके अद्भुत इलाज के लिए धन्यवाद दिया।

व्याकरण विभाग - पर्यायवाची शब्द

जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते है।
पर्याय' का अर्थ है- 'समान' तथा 'वाची' का अर्थ है- 'बोले जाने वाले' अर्थात जिन शब्दों का अर्थ एक जैसा होता है, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।
समान अर्थवाले शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' या समानार्थक भी कहते है।
जैसे- सूर्य, दिनकर, दिवाकर, रवि, भास्कर, भानु, दिनेश-
इन सभी शब्दों का अर्थ है 'सूरज' ।

महिला - नारी, स्त्री, औरत
सूर्य - सूरज, दिनकर, रवि
अग्नि - अनल, आग, पावक, दहन
वायु -अनिल, हवा, पवन
धरती - पृथ्वी, भू, भूमि, वसुंधरा
पुष्प - फूल, सुमन, कुसुम
बादल - मेघ, घन , जलधर
मित्र - सखा, सहचर, साथी, दोस्त
बारिश -वर्षा, पावस, बरसात

जल - पानी, नीर, वारि
भूमि - धरती, जमीन, भू
पहाड़ - पर्वत, नग, गिरी
आकाश - नभ, गगन, आसमान
दोस्त - मित्र, सखा, सहचर
शिक्षक - अध्यापक, गुरु, आचार्य
पिता - तात, परम, जनक
चांद - चंद्रमा, चन्द्र, शशि, राकेश
प्रातः – प्रभात, सुबह, सवेरा

८: लेखन विभाग - अनौपचारिक पत्र

विद्मालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखे।

13, गीता भवन,

शक्ति कुंज, सेक्टर-12

गाँधीनगर

दिनांक :22/5/2021

सेवा मे

प्रधानाचार्य

पुना इन्टरनेशनलस्कुल

गाँधीनगर

माननीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय मे कक्षा चौथी का छात्र हूँ। मेरे पिताजी का तबादला गाँधीनगर से दिल्ली हो गया है।हमारा पूरा परिवार दिल्ली जा रहा है।इस कारण मुझे यह विद्यालय छोडना पडेगा।अतः आपसे निवेदन है कि मुझे विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करे।

आशा है, आप मेरी प्रार्थना पर शीघ्र ध्यान देगे।मै आपकी बहुत आभारी रहूँगी।

धन्यवाद
आपका छात्र
अपना नाम

- प्रवृति -

सांप का चित्र बनाओ।

पाठः१३
मिर्च का मजा
लेखकः रामधारी सिंह दिनकर

पाठ का सारांश-

यह कहानी एक काबुलीवाले की है|जो काबुल से भारत आया था| उसे यहाँ की भाषा बहुत कम समझ में आती थी|एक बार उसने एक कुंजडी को लाला मिर्च बेचते देखा| लाला-लाल मिर्च देख कर काबुली वाले के मूंह में पानी आ गया|वह सोचने लगा क्या बड़े-बड़े लाल-लाल दाने है ,खाने से शारीर को बहुत बल मिलेगा |ये कोई मौसम का मीठा फल है| काबुलीवाले ने एक चवन्नी देकर कुंजड़ी से से जैसे-तैसे समझाकर बोला यह लाल-पतली चीज अगर खाने की है ,तो हमें भी चार आने की दे दो| कुंजड़ी ने मिर्च देते हुए बोला यह तो सब खाते है | मिर्च भरी झोली लेकर काबुलीवाला बहुत मगन हुआ किसौदा बहुत सस्ता हुआ है,और नदी किनारे जाकर लाल-लाल मिर्च चबाने लगा | मीर्च मुंह में डालते ही उसका मुंह जलने लगा ,आखों से पानी बहने लगा,मुंह सिसियाने लगा और मुंह से सी,सी,सी की आवाज निकलने लगी | वह सोचने लगा कि काबुल का मर्द हूँ मै इस मिर्च से क्यों मुंह मोड़ ले ?पूरा चार आना खर्च किया है तो वसूल करे बिना क्यों छोडे? तभी वहां एक सिपाही आया ,काबुलीवाले को मिर्च खाते देख बोला ,अरे बेवकूफ क्यों मिर्च खाकर अपने को परेशान कर रहा है ? काबुलीवाला बोला तू जा अपने रस्ते मै कोई मामूली इंसान नही हूँ मै मर्द हूँ ,ये मै अपने पैसों की खा रहा हूँ |

१ :कठिन शब्द-

- काबुलीवाला
- कुंजडी
- मूलय
- झोली
- सौदा
- बेवकूफ
- पतली लछपी
- चवन्नी
- आना
- फकत

२ : शब्दार्थ-

- काबुलीवाला - काबुल का रहने वाला
- कुंजडी- साग- भाजी बेचनेवाली
- मूलय- दाम
- झोली - पलल्ू की थैली
- बेवकूफ-मूखण
- सौदा- लेना-देना
- चवन्नी- 25-पैसे
- पतली छीपी-पतली-लमचण
- तबाही- बबाणदी
- सेर-माप का पैमाना
- लसलसयाना- मुंह से सी,सी,सी की आवाज करना

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१:लोग किसकी कहानी कहते है?

उत्तरः**(क) काबुलीवाले की** (ख)जादुगर की

(ग)पुलिसवाले की (घ) गाववाले की

२:काबुलीवाला ने लाल मिर्च को क्या समझ लिया?

उत्तरः (क) मिठाई **(ख)मीठा फल**

(ग)खट्टा फल (घ) सब्जी

३:काबुलीवाले ने लाल मिर्च किससे खरीदी?

उत्तरः (क) सब्जीवाले से **(ख)कुँजडिन से**

(ग)दुकानदार से (घ) सिपाही से

४:काबुलीवाले ने मिर्च को चबाने के लिए कोन से जगश चुनी?

उत्तरः **(क) नदी तट** (ख)घर

(ग)बाजार (घ) सडक

४ :अतिलघु- प्रश्न-

प्र-१-कौन-सी चीज देख कर काबुलीवाले के मुंह में पानी आ गया?

उ-लाल-लाल मिर्च देख कर काबुलीवाले के मुंह में पानी आ गया |

प्र=२-काबुलीवाले ने लाल मिर्च खरीदने की इच्छा किस प्रकार जताई ?

उ-काबुलीवाले ने लाल-लाल मिर्च देखा| इस से बल मिलेगा यह सोच कर उसे खरीदने की इच्छा जताई |

प्र-३-कुंजड़ी ने लाल मिर्च के बारे में काबुलीवाले से क्या कहा?

उ-कुंजड़ी ने काबुलीवाले से लाल मिर्च के बारे में कहा कि ये तो सभी खाते है|

प्र-४-काबुलीवाला क्यों मगन था?

उ-सस्ता सौदा पाकर काबुलीवाला मगन हुआ|

५:लघु प्रश्न-उत्तर-

प्र-१-मिर्च खाते ही काबुलीवाले का क्या हाल हुआ?

उ-जैसे ही काबुलीवाले ने मिर्च मुंह में रखी ,उसका मुंह जलने लगा,आँखों में पानी भर आया ,मुंह से सिसियाने की सी,सी,सी की आवाज निकलने लगी|

प्र२- सीपाही ने काबुलीवाले को बेवकूफ़ क्यों कहा?

उ-लाल-लाल तीखी मिर्च चबाते देख कर सिपाही ने काबुलीवाले को बेवकूफ़ कहा|

प्र-३ सिपाही की बात सुनकर काबुलीवाले ने क्या उत्तर दिया ?

उ-काबुलीवाले ने उत्तर दिया कि तू जा अपने रास्ते ,मै अपने पैसों की खरीद कर मिर्च खा रहा हूँ|

६. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

१-काबुलीवाला लाल मिर्च का नाम नही जनता था| (सही)

२-लाल मिर्च खा कर काबुलीवाले की आँखें बंद हो गई| (गलत)

३-मुंह जलने पर भी काबुलीवाला लगातार मिर्च खाता रहा | (सही)

४-सिपाही ने काबुलीवाले को और मिर्च खाने के लिए कहा| (गलत)

७. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

१-काबुलीवाले ने समझा कि मिर्च के अच्छे दाने खाने से <u>बल</u> मिलेगा|

२-कुंजड़ी ने <u>लाल-लाल</u> मिर्च काबुलीवाले की झोली में डाल दी|

३-मिर्च खरीद कर काबुलीवाले ने सोचा कि यह बहुत ही <u>सस्ता</u> सौदा है|

४-काबुलीवाले की आँखों में <u>पानी</u> भर आया|

५-काबुलीवाले ने सिपाही को अपनी <u>राह</u> जाने को कहा|

६-चवन्नी में <u>25</u> पैसे होते है| तो एक रुपय में <u>100</u> पैसे होते है|

<u>व्याकरण विभाग</u> - वाक्य शुद्धि

वाक्य भाषा की अत्यंत महत्वपूर्ण इकाई होता है। अतएव, लिखने या बोलने के समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा जो कुछ लिखा या कहा जाए, वह बिल्कुल स्पष्ट सार्थक और व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध हो।

वाक्यों के विभिन्न अंग यथास्थान होना चाहिए। साथ ही विराम-चिह्नों का भी उचित जगहों पर प्रयोग होना चाहिए।

वाक्य-रचना में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय से संबंधित या अन्य प्रकार की अशुद्धियाँ हो सकती है। इन्हीं को आधार बनाकर परीक्षा में प्रश्न पूछे जाते हैं।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1) हिन्दी के प्रचार में आज-भी **बड़े-बड़े संकट** हैं।	1) हिन्दी के प्रचार में आज-भी **बड़ी-बड़ी बाधाएँ संकट** हैं।
2) सीता ने गीत की दो-चार **लड़ियाँ** गायीं।	2) सीता ने गीत की दो-चार **कड़ियाँ** गायीं।
3)वह **मेरे शब्दों पर** ध्यान नहीं देता।	3)वह **मेरी बात पर** ध्यान नहीं देता।
4) मुझे सफल होने की **निराशा** है।	4) मुझे सफल होने की **आशा नहीं** है।
5) गोलियों की **बाढ़।**	5) गोलियों की **बौछार ।**
6) देश **की** सम्मान की रक्षा करो।	6) देश **के** सम्मान की रक्षा करो।
7) लड़की ने जोर से हँस **दी।**	7) लड़की ने जोर से हँस **दिया।**
8) मुझे मजा **आती** है।	8) मुझे मजा **आता** है।
9) हमारे **सामानों** का ख्याल रखियेगा।	9) हमारे **सामान** का ख्याल रखियेगा।
10) इस विषय पर एक भी अच्छी **पुस्तकें** नहीं है।	10) इस विषय पर एक भी अच्छी **पुस्तक** नहीं है।
11) **हमने** यह काम करना है।	11) **हमें** यह काम करना है।
12) मैंने राम **को** पूछा।	12) मैंने राम **से** पूछा।
13) सब **से** नमस्ते।	13) सब **को** नमस्ते।
14) जनता **के अन्दर** असंतोष फैल गया।	14) जनता **में** असंतोष फैल गया।
15) नौकर **का** कमीज।	15) नौकर **की** कमीज।

८. लेखन विभाग - निबंध - क्रिसमस

1. क्रिसमस हर साल 25 दिसंबर को मनाया जाता है।

2. ईसाईयों के लिए क्रिसमस एक बहुत महत्वपूर्ण त्यौहार है।

3. क्रिसमस के दिन ईसाई लोग भगवान से प्रार्थना करते है।

4. क्रिसमस को हर साल पूरे विश्व में दूसरे उत्सवों की ही तरह खुशी, हर्ष और जोश के साथ मनाया जाता है।

5. प्रभु ईशु के जन्मदिवस के अवसर पर क्रिसमस डे को मनाया जाता है।

6. क्रिसमस के दिन पर सभी घर और चर्च की सफाई होती है।

7. इस दिन सभी लोग अपने घरों के बीच में सभी क्रिसमस के पेड़ को सजाते है।

8. इस दिन क्रिसमस ट्री को इलेक्ट्रिक लाईट, उपहारों, गुब्बारों, फूलों, खिलौनों, हरी पत्तियों तथा दूसरे वस्तुओं से सजाते है। क्रिसमस का पेड़ बेहद सुंदर और आकर्षक दिखाई देता है।

9. क्रिसमस के दिन लोग अपने बच्चों और मेहमानों के लिये क्रिसमस के उपहार बाँटते है।
10. क्रिसमस के दिन सभी लोग पर अपने दोस्त, परिवार, रिशतेदारों और पड़ोसियों के साथ क्रिसमस के पेड़ के सामने खुशी मनाते है।

प्रवृति -

अलग - अलग मिर्च के चित्र बनाओ और रंग भरो।

पाठः१४
सबसे अच्छा पेड़
लेखकः जे भारतदास

पाठ का सारांश- यह कहानी तीन भाइयों की है जो अपने रहने लिए तीन अलग-अलग पेड़ों के नीचे झोपड़ी बना लेते हैं। एक दिन तीनों भाई नये घर की तलाश में निकल पड़ते हैं। रास्ते में एक आम का पेड़ आया तो तीनों उसकी छाया में बैठकर आराम करने लगे।
पेड़ के पके आम तोड़कर तीनों ने अपनी भूख शांत की। बड़े भाई ने सोचा इससे अच्छी जगह कौन सी होगी और वहीं झोपड़ी बनाकर रहने का निश्चय का लिया। बाकि के दो भाई आगे बढ़े, रास्ते में उन्हें कुछ केले के पेड़ मिले, तभी बारिस होने लगी तो दोनों भाइयों ने केले पते तोड़कर बारिस से बचाव किया। बाद में भूख लगाने पर केले खाकर पेट भरा।
दूसरे भाई को केले का पेड़ पसंद आ और वहीं झोपड़ी डालकर रहने लगा। तीसरा और आगे चला, रास्ते में उसे नारियल का पेड़ मिला। उसकी छाया तो नहीं थी फिर भी वह उसके नीचे बैठ गया। उसे प्यास लगी थी सोचा कहीं पानी मिल जाता तो तभी एक नारियल उसके सामने गिरा और उसके पानी से उसने अपनी प्यास बुझाई। तीसरे को नारियल का पेड़ पसंद आया और उसने अपना घर नारियल के पेड़ के नीचे बना लिया।

१ :कठिन शब्द-

- सडक
- चूसना
- अचार
- झोंपडी
- बदढ़या
- दातुन
- टहलनयां
- दलूधया
- डोररयाँ
- रल्स्सयाँ
- चटाइयां
- खोपरा

२ : शब्दार्थ-

- चूसना : धीरे-धीरे पीना
- बढिया : बहुत अच्छा
- दातुन : नीम या बाबूल की पतली टहनी
- दुधिया : दधू जैसे रंग का
- डोरियाँ: पतली-पतली सूट या रेशम के धागे
- चटाइयां: जुट या सूती धागों से बनी धरी
- खोपरा : सूखा नारियल

३ : बहुवेकल्पिक प्रशनउत्तर

१:आम का पेड कैसा था?
उत्तरः(क)बडा (ख)छोटा
(ग)सूखा हुआ (घ)बिना फल वाला

२:बडे भाई ने किस पेड के नीचे झोपडी बनाई?:
उत्तरः(क) केले के (ख)नारियल के
(ग) आम के (घ)नीबू के

३:केले के पेड किस भाई को पंसद आया?
उत्तरः(क) पहले भाई को (ख)दूसरे भाई को
(ग) तीसरे भाई को (घ)किसी को नही

४:तीसरे भाई ने किस पेड केन ीचे अपना घर बनाया?
उत्तरः(क) नारियल के (ख)आम के
(ग) केले के (घ)संतरे के

४ :अतिलघु- प्रश्न-

प्र-१-तीनों भाई कौन से मौसम में घर की तलाश में निकले?

उ-तीनों भाई गरमी के मौसम में घर की तलाश में निकले थे|

प्र-२-तीनों भाई कहाँ आराम करने लगे?

उ-तीनों भी आम के बड़े से पेड़ की छाँव में आराम करने लगे|

प्र-३-आम का पेड़ किस भाई को पसंद आया?

उ-आम का पेड़ सबसे बड़े भाई को पसंद आया |

प्र-४-दूसरे और तीसरे भाई के केले के पेड़ों के पास से गुजरने पर आसमान से होकर कौन गुजरा?

उ-दूसरा और तीसरा भाई जब केले के पेड़ों के पास से गुजर रहे थे ,तो अचानक से एक काला बादल आसमानसे होकर गुजरा|

प्र-५-केले के पेड़ ने दोनों भाइयों को किस से बचाया?

उ-केले के पेड़ ने दोनों भाइयों को भीगने से बचाया|

५:लघु प्रश्न–उत्तर–

प्र-१-केले के पेड़ हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?

उ-केले के पत्ते को खाने के बर्तन की तरह उपयोग कर सकते है,केले की शब्जी बना कर खा सकते हैं,केले जब पक जाता है तो उसे खा कर भूख मिटा सकते है, केले को दूध में मिला कर पी सकते है|

प्र-२-नीम की टहनियां किस-किस काम आती हैं?

उ-नीम की टहनियां दातुन के काम आती हैं,कोई जब बीमार हो तो घर के दरवाजे पर नीम लटका दी जाती हैं|

प्र-३-रबर कैसे बनता है?

उ-रबर के पेड़ पर चाकू से एक चीरा लगा कर उसके नीचे एक कटोरा लगा दिया जाता है| चीरा जहां लगा है,वहां से दूधिया जैसा रस निकलता है | उस रस को जमा करके एक बर्तन में पकाने से रबर बन जाताहै|

प्र-४-रबर का पेड़ किस किस काम आता है?

उ-रबर के पेड़ से रबर बना कर ,उसे बेच सकते है| रबर से गुब्बारे बनते है,रबर का रस पका कर टायर बनाया जाता है|

६ :दीर्घ प्रश्न उत्तर–

प्र-१-नारियल के पेड़ से हमें क्या-क्या लाभ हैं?

उ-नारियल के पेड़ से अनेक लाभ हैं| नारियल की जटाओं से मोटी डोरियाँ बनाई जाती हैं| उस डोरियों से चटाइयां बनाई जाती हैं|नारियल का पानी पिने से प्यास बुझती हैं ,पानी मीठा और स्वादिष्ट होता है| नारियलकी मलाई खाने में अच्छी लगती है|नारियल को सुखाने पर वह खोपरा बन जाता है,जो बहुत से पकवान औरमिठाइयों में डलता हैं| नारियल का तेल खाना पकाने के काम आता है|इसी तेल से साबुन और क्रीम भी बनताहै|

६. सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए |

- गर्म-गर्म धूप में तीनों भाई सड़क पर चलते चले गये| (सही)
- कच्चे आम का अचार बनाया जाता है| (सही)
- बारिश आने पर दोनों भाई पीपल के पेड़ ककी ओत में छिप गये| (गलत)
- नीम की दातुन अच्छी नही होती| (गलत)
- रबर के पेड़ की छाल पर चीरा लगाने पर दूधिया रस निकलता है| (सही)

७. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए|

- आम के पेड़ के नीचे ठंडी छाँव थी ।
- तीनों भाई आम का मीठा रस चूसने लगे|
- नारियल का पेड़ बहुत लम्बा और पतला होता हैं|
- रोग दूर भगाने के लिए नीम की टहनियां दरवाजे पर टांगी जाई हैं|
- खोपरे को पेरकर गोले का तेल निकाला जाता है|

व्याकरण विभाग - क्रिया विशेषण

क्रिया विशेषण - वह शब्द होते हैं जो हमें क्रिया की विशेषता बताते हैं।

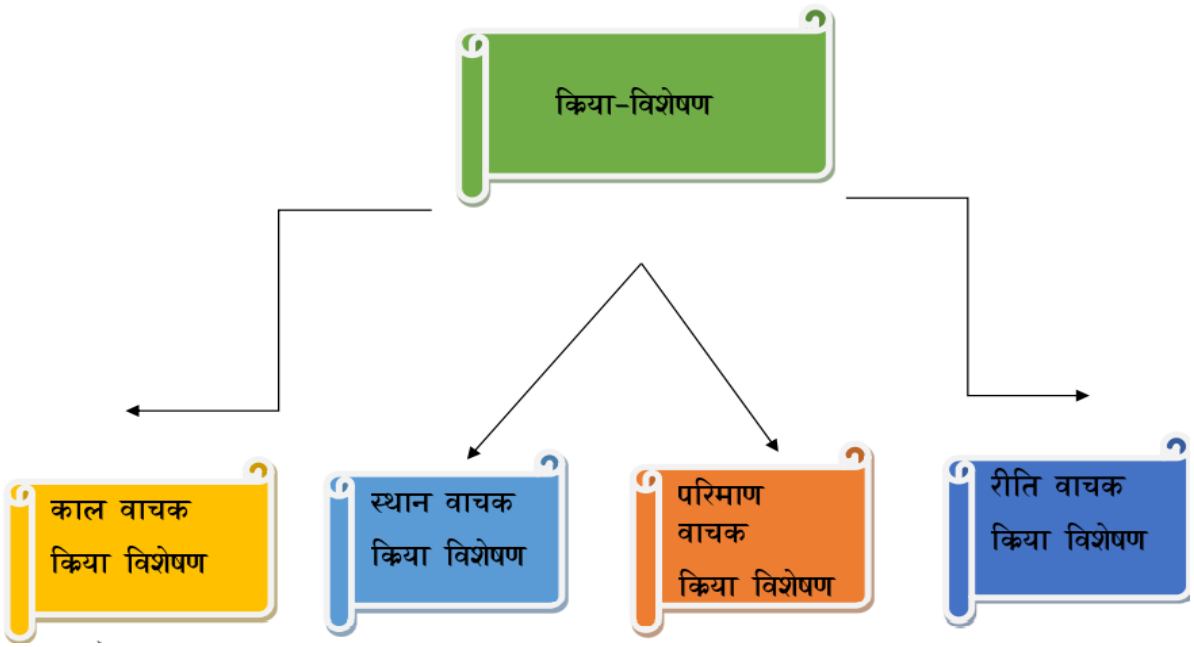

- **काल वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के काल समय का बोध कराता है, वे काल वाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : प्रभा प्रतिदिन पढती है।
कुणाल बाजार से अभी लौटा है।

➢ **स्थान वाचक किया विशेषण :** जो शब्द किया के होने के स्थान का बोध कराता है,वे स्थान वाचक किया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : बच्चा सीढियो से ऊपर चढ गया।

वहाँ मत बैठिए।

मनदीप इस ओर चला आर हा है।

रीना बाहर खेल रही है।

➢ **परिमाण वाचक किया विशेषण :** जो शब्द किंया की मात्रा परिमाण बताते है, वे परिमाण वाचक किंया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : संदीप ने खुब पानी पिया।

इस बार गरमी अधिक पड़ रही है।

मैने आज कम भोजन किया।

टीना बहुत खाँस रही है।

➢ **रीतिवाचक किया विशेषण :** जो शब्द किया के होने के रीति का बोध कराते है ,वे रीतिवाचक किया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : फूलदान जोर से गिरा।

दादी धीरे–धीरे कमरे की ओर बढी।

चुटकुला सुनकर सभी हसँते हसँते लोटपोट हो गए।

नकुल झूमता हुआ गाने लगा।

८. लेखन विभाग - निबंध - पेड़ हमारे मित्र

1) वृक्ष मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं क्योंकि यह हर तरीके से मनुष्य की सहायता करते हैं।
2) पेड़ मनुष्य को स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं।
3) पेड़ों से कई तरह की दवाइयां भी बनाई जाती हैं।
4) मनुष्य अपने दैनिक जीवन में पेड़ों की लकड़ी का उपयोग करते हैं।
5) पेड़ हमे फल, फूल, भोजन और ईंधन भी प्रदान करते हैं।
6) पेडो के कारण हवा शुद्ध रहती है और वर्षा भी अधिक होती है। पेडो की हरियाली से वातावरण सुंदर बनता है।
7) पेड़ मनुष्य को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और कार्बन डाय ऑक्साइड को शोषित करते हैं |
8) पेड़ पौधों से ही हमें अनाज प्राप्त होता है। गेहूं, चावल, ज्वार, मक्का ये सभी हमें पेड़ पौधों से प्राप्त होता है।
9) पेड़ हमारी भारतीय संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, हिंदू धर्म में पेड़ों की पूजा की जाती है।
10) पेडो से मित्रता रखकर ही हम सुखी और सुंदर जीवन जी सकते है। इसलिए पेड हमारे मित्र है।

प्रवृति -

अपना मनपसंद पेड़ का चित्र बनाए।